this ragging. Ragging is not happening only in our colleges and universities. It is happening in organisations where we produce our soldiers. I know one young man like this.

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) : महोदया, यह जो घटना है इसकी जांच गृह मंत्री जी को करानी चाहिए और इस सदन को अवगत कराना चाहिए । यह दर्दनाक घटना है । इसलिए मैं भी और पूरा सदन इस दर्दनाक घटना की निन्दा करता है । गृह मंत्री जी इसकी जांच कराएं और सदन को बताएं ।

उपसभापति : यह मामला सिर्फ होम मिनिस्ट्री से ही ताल्लुक नहीं रखता है . . . (व्यवधान) . . .

Shri T. A. Mohammed Saqhy—not here. Shri Sanjaya Sinh...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA : What is this, Madam ?

THE DEPUTY CHAIRMAN : Special Mentions.

SPECIAL MENTIONS

Jail Bharo Movement all over the country in support of demands of workers, peasants, students, youths and women

THE DEPUTY CHAIRMAN : Mr. Salim, please sit down. . *(Interruptions)* .. .Let me explain... *(Interruptions)* Please sit down. I know it is a very important question.. . *(Interruptions)*... But it is listed as seventh or eigth item in the list of Special Mentions. It is not my responsibility to list it out. I will go according to the list which comes before me. If you have any grievance, you can put it up before the Chairman. This item, "Jail bharo movement", comes as the seventh, eighth and ninth item, in the names of Prof. Saurin Bhattacharya. Mr. Gurudas Das Gupta.. . *(Interruptions).*

SHRI MD. SALIM (West Bengal): It is the voice of millions of people against the policies of the Government ...*(Interruptions)The* Government says that its policies are being pursued on the basis of national consensus . ..*(Interruptions)*...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Your voice can be heard later.. *(Interruptions)*

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: (West Bangal): Madam, we seek your indulgence and with your permission, Madam, we would like to put it on record that today, hundreds and thousands of volunteers of the National Front and Left Front Parties and Trade Unions are couriing arrest all over the country and here in Delhi, a large number of our colleagues belonging to both the Houses of Parliament are courting arrest. This is a symbolic protest. Our protest will be launched on the 9th of September when there is going to be a "Bharat Band".

Madam, we protest against the economic policies of the Government; we protest against the failure of the Government to introduce a policy on agricultural workers and the unorganised labour which they promised in this Session, at the beginning of the Session; we protest against the Government's failure to tackle the problem of corruption in the country; wc protest against the policy of the Government because they have failed to revamp the public sector of the country; and we protest because they have failed in their economic policies and they have failed in the matter of creating employment opportunities to the unemployed youth of the country.

This is a total failure and, in the back-ground of these policies, we are making this symbolic protest and, on the 9th of September, there is going to be a total standstill all over the country. I wish, the Government learnt a lesson from this.

श्री मोहम्मद सलीम : मैडम, आज यह सिर्फ वार्निंग है । 9 सितम्बर को पूरे देश में 'भारत बंद' मना रहे हैं । 90 परसेंट कर्मचारी इसमें यह बताएंगे कि सरकार की पालिसी से वह खुश नहीं हैं और लगातार रेलवे में, पोस्ट एंड टेलीग्राफ में, डिफेंस में कर्मचारी स्ट्राइक पर जा रहे हैं । सरकार कहती है कि यह पूरे देश की सहमति से बना हुआ है । यहां बेरोजगार जो नौजवान हैं वे लाखों की तादाद में हैं और जो काम कर रहे हैं उनको एक्जिस्ट पालिसी के तहत बाहर निकाला जा रहा है । पिछले दिनों लोक सभा में प्रश्नोत्तर के समय पर यह बताया गया था कि सरकार राइट टु वर्क को नहीं मानती । अभी पिछले दिनों टी०वी० पर इन्टरव्यू में कृषि मंत्री ने यह बताया कि भूमिसुधार का सवाल खत्म हो गया है । सरकार इसमें इन्टरेस्टेड नहीं है । आज किसान सड़कों पर आ रहे हैं, जो मजदूर हैं इस देश के वे भी सड़कों पर आ रहे हैं । इस देश के बारे में

पूरे विश्व को यह बताना चाहते हैं कि वित्त मंत्री और प्रधान मंत्री जो पूरे विश्व के सामने बता रहे हैं वह गलत है । इस देश की जनता सरकार की इस पालिसी से खुश नहीं है । 9 सितम्बर से जब 'भारत बंद' होगा पूरे देश के लोग उसमें शामिल होंगे उस वक्त टी०वी० का इस्तेमाल करके यह कहा जाएगा कि कितना नुकसान हो रहा है देश का । जबकि देश में पहले भी दो बार औद्योगिक हड़ताल हो चुकी है । लेकिन सरकार ने उस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया, इसलिए उनको बाध्य किया जा रहा है हड़ताल के लिए । इसलिए सरकार से यह कहना है कि जनता विरोधी जो पालिसी है उसको वापस लें क्योंकि वह देश को गुलामी के किनारे पर ले जा रही है । इसके साथ ही सवाल जुड़ा हुआ है साम्प्रदायिकता का । साम्प्रदायिकता के विरोध में, आर्थिक नीति के विरोध में आज पूरे देश में "जेल भरो" हो रहा है । पिछले दो साल से जो लिबरलाइजेशन पालिसी चली है उस वक्त देश की जनता को साम्प्रदायिकता के नाम पर बांटा गया । अमेरिका को बुलाकर कच्छ में कारगिल कम्पनी को नमक बनाने के लिए कहा गया है । जिस देश के नेता महात्मा गांधी ने 'नमक कानून तोड़ो आन्दोलन' चलाया था वहीं पर आप बाहर के देश से तकनीकी ला रहे हैं नमक बनाने के लिए, चपाती बनाने के लिए, रोटी बनाने के लिए, मल्टी नेशनल कम्पनियों को बुला रहे हैं, मनमोहन सिंह जी हंस रहे हैं लेकिन देश की जनता इस चीज को ज्यादा देर तक बर्दाश्त नहीं करेगी ।

[श्री मोहम्मद सलीम "पश्चिम बंगाल" : मैडम, आज यह सर्फ वार्निंग है । 9 सितम्बर को पूरे देश में "भारत बंद" मना रहे हैं । 90 परसेंट कर्मचारी इस में शामिल होंगे । यह पूरे देश की सहमति से बना हुआ है । यहां बेरोजगार जो नौजवान हैं वह लाखों की तादाद में हैं और जो काम करते हैं उन को एम्प्लायमेंट पालिसी के तहत बाहर निकाला जा रहा है । पिछले दिनों लोक सभा में प्रधान मंत्री के मुंह पर यह बताया गया था कि सरकार डिसइन्वेस्ट को रोक दे । हम मानते हैं । लेकिन पिछले दिनों टी०वी० पर इन्टरव्यू में कुरैशी साहब ने यह बताया कि भौगोलिक सर्वेक्षण का सवाल खत्म हो गया है । सरकार इस में इन्टरेस्टेड नहीं है । आज किसान सड़कों पर आ रहे हैं, जो मजदूर हैं इस देश के वह भी सड़कों पर आ रहे हैं । इस देश के बारे में पूरे विश्व को यह बताना चाहते हैं कि वित्त मंत्री और प्रधान मंत्री जो पूरे विश्व के सामने बता रहे हैं वह गलत है । इस देश की जनता सरकार की इस पालिसी से खुश नहीं है । 9 सितम्बर से जब 'भारत बंद' होगा पूरे देश के लोग उसमें शामिल होंगे उस वक्त टी०वी० का इस्तेमाल करके यह कहा जाएगा कि कितना नुकसान हो रहा है देश का । जबकि देश में पहले भी दो बार औद्योगिक हड़ताल हो चुकी है । लेकिन सरकार ने उस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया, इसलिए उनको बाध्य किया जा रहा है हड़ताल के लिए । इसलिए सरकार से यह कहना है कि जनता विरोधी जो पालिसी है उसको वापस लें क्योंकि वह देश को गुलामी के किनारे पर ले जा रही है । इसके साथ ही सवाल जुड़ा हुआ है साम्प्रदायिकता का । साम्प्रदायिकता के विरोध में, आर्थिक नीति के विरोध में आज पूरे देश में "जेल भरो" हो रहा है । पिछले दो साल से जो लिबरलाइजेशन पालिसी चली है उस वक्त देश की जनता को साम्प्रदायिकता के नाम पर बांटा गया । अमेरिका को बुलाकर कच्छ में कारगिल कम्पनी को नमक बनाने के लिए कहा गया है । जिस देश के नेता महात्मा गांधी ने 'नमक कानून तोड़ो आन्दोलन' चलाया था वहीं पर आप बाहर के देश से तकनीकी ला रहे हैं नमक बनाने के लिए, चपाती बनाने के लिए, रोटी बनाने के लिए, मल्टी नेशनल कम्पनियों को बुला रहे हैं, मनमोहन सिंह जी हंस रहे हैं लेकिन देश की जनता इस चीज को ज्यादा देर तक बर्दाश्त नहीं करेगी ।]

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

बताया कि भौगोलिक सर्वेक्षण का सवाल खत्म हो गया है । सरकार इस में इन्टरेस्टेड नहीं है । आज किसान सड़कों पर आ रहे हैं, जो मजदूर हैं इस देश के वह भी सड़कों पर आ रहे हैं । इस देश के बारे में पूरे विश्व को यह बताना चाहते हैं कि वित्त मंत्री और प्रधान मंत्री जो पूरे विश्व के सामने बता रहे हैं वह गलत है । इस देश की जनता सरकार की इस पालिसी से खुश नहीं है । 9 सितम्बर से जब "भारत बंद" होगा पूरे देश के लोग उसमें शामिल होंगे उस वक्त टी०वी० का इस्तेमाल करके यह कहा जाएगा कि कितना नुकसान हो रहा है देश का । जबकि देश में पहले भी दो बार औद्योगिक हड़ताल हो चुकी है । लेकिन सरकार ने उस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया, इसलिए उनको बाध्य किया जा रहा है हड़ताल के लिए । इसलिए सरकार से यह कहना है कि जनता विरोधी जो पालिसी है उसको वापस लें क्योंकि वह देश को गुलामी के किनारे पर ले जा रही है । इसके साथ ही सवाल जुड़ा हुआ है साम्प्रदायिकता का । साम्प्रदायिकता के विरोध में, आर्थिक नीति के विरोध में आज पूरे देश में "जेल भरो" हो रहा है । पिछले दो साल से जो लिबरलाइजेशन पालिसी चली है उस वक्त देश की जनता को साम्प्रदायिकता के नाम पर बांटा गया । अमेरिका को बुलाकर कच्छ में कारगिल कम्पनी को नमक बनाने के लिए कहा गया है । जिस देश के नेता महात्मा गांधी ने 'नमक कानून तोड़ो आन्दोलन' चलाया था वहीं पर आप बाहर के देश से तकनीकी ला रहे हैं नमक बनाने के लिए, चपाती बनाने के लिए, रोटी बनाने के लिए, मल्टी नेशनल कम्पनियों को बुला रहे हैं, मनमोहन सिंह जी हंस रहे हैं लेकिन देश की जनता इस चीज को ज्यादा देर तक बर्दाश्त नहीं करेगी ।]

श्रीमती कमला सिन्हा (बिहार) : फेडरेशन के नेतृत्व में 10 लाख रेल मजदूर स्ट्राइक पर जा रहे हैं । 90 परसेंट कर्मचारियों ने स्ट्राइक से अपनी सहमति प्रकट की है । उन्होंने फैसला किया है अगले महीने से

[ ] Transliteration in Arabic Script.

वे हड़ताल पर जायेंगे । इस देश की लाखों श्रमिक जनता आज सड़क पर है । वे सामूहिक "जेल भरो" अभियान में शामिल हो रहे हैं । और मैं मनमोहन सिंह जी से कहूंगी कि आप अभी भी सचेत हो जाइए । आपने इस देश में जिस अर्थ नीति को चालू किया है वह अर्थ नीति इस देश के लायक नहीं है । हमारे देश में एकमात्र हमारे पास जो सम्पत्ति है वह मानव सम्पत्ति है । दूसरा कुछ नहीं है । उसका इस्तेमाल कीजिए । दूसरे देशों से आप टेक्नोलोजीकली एडवान्स मशीनरी मंगाइये, उसका इस्तेमाल कीजिए, लेकिन उससे हमारा आर्थिक विकास होने वाला नहीं है । इसलिए हमारी आर्थिक आजादी को गिरवी मत रखिए । इस देश की भावी पीढ़ी आपको माफ नहीं करेगी, इस देश की जनता माफ नहीं करेगी ।

THE DEPUTY CHAIRMAN : Prof. Bhattacharya. Now, you want to speak on it or you don't want to speak on it ?

PROF. SAURIN BHATTACHARYA (West Bengal) : Madam Deputy Chairman, I was under the impression that the matter would come up under Special Mention.

THE DEPUTY CHAIRMAN: It is a Special Mention.

PROF. SAURIN BHATTACHARYA: Now I find that the matter has come up. Though it stood in my name, it was taken up during the Zero Hour by others.

THE DEPUTY CHAIRMAN : There is no Zero Hour to me.

PROF. SAURIN BHATTACHARYA: AH right, non-zero hour like non-paper.

Madam, the point is, today the workers, peasants, students, youth, and women ail over the country are courting arrest in protest against the economic policies of the Government the reform policy which is being assiduously followed by our Finance Minister who always has a very begin smile but the results of whose action are very malignant, malignant for the society as a whole, for its economy, for its working population, who are facing voluntary retirement when really it is a forced retirement, They are being retrenched. In the name of golden hand-shake, they are really given an iron hand-shake. And such instances are continuously mounting under this regime of Mr. P. V. Narasimha Rao. It is presided over by him, but is guided by the Finance Minister. It is the policy of the Government as a whole with which we are concerned. As Mr. Md. Salim has said, the working people of the country raised their voice against these policies through two general strikes all over the country, and another strike is going to be there on the 9th of September. Now...

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI MANMOHAN SINGH) : Is that the reason why the CPM MLAs in West Bengal are deserting the CPM ?

PROF. SAURIN BHATTACHARYA: You do research on that theme, but nothing will come out of it. The Left Front of West Bengal will continue with the strength that it has inspite of the aberration that was witnessed—it is an aberration, there is no doubt—on the 17th of August. It is not West Bengal alone, it is a question of the country as a whole because Dr. Manmohan Singh's policy is hitting the people, the toiling people all over the country, all the people who are waiting for employment all over the country, in different organised industries and unorganised industries. All of them are up in arms and are in preparation for the 9th of September general strike and *bandhs* all over the country because the Government of India is to be challenged not by defection but by frontal attack. This Government knows only the politics of defection and the politics of subserving the multinationals and our national monopolists. Therefore...

THE DEPUTY CHAIRMAN : All right. Now, Dr. Sanjaya Sinh.

PROF. SAURIN BHATTACHARYA: . . .we have undertaken this path. And my last appeal to this Government would be : Take note of this warning, correct your policies, your imbalances so that the people may not have to go to fight to the last. Thank you, madam.

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM : I hope you will not support this Government on any issue in future.

Recovery of counterfeit Revenue Stamps in Amethi

डा० संजय सिंह (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदया, जैसा कि आप स्वयं अवगत हैं कि आज अपने देश में ऊंचाइयों पर भ्रष्टाचार, बैंक स्कैम, फोरजरी, घूसखोरी का बड़ा अच्छा माहोल बना हुआ है । मैं नहीं जानता हूं कि देश के किसी और हिस्से में इस माहोल का फायदा उठाया जा रहा है लेकिन हमारे जनपद सुल्तानपुर में इसका बड़ी अच्छी तरह से फायदा उठाकर पूरे जिला प्रशासन ने करोड़ों रुपए के फर्जी रेवेन्यू स्टैम्प सर्कुलेट किये हैं, बेचे हैं । मार्च, 1993 में दो करोड़ रुपयों के स्टैम्प जिला कोषागार और हमारी तहसील के कोषागार में लाये गये । क्योंकि कोषागार का इंचार्ज तहसीलदार होता है, इसलिए उसने अपने दस्तखत से उनको लिया । महोदया, लगभग दस दिन पहले किसी रिपोर्ट पर डी० डी० सेन ने एक रेड डाला तो करीब 90 लाख रुपए के फर्जी